पोस्टल रजि.नं. ATI/RNP/268/2025-2027

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र जे. दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

अमरावती । गुरुवार दि.२८ मई से ३ जून २०२६ | अभिनंदन बँक विशेष | वर्ष १५ । अंक ५२ । पृष्ठ ८ । मूल्य १०रु.

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन में हमारे अच्छे बुरे कर्म से बडा साथी नही हो सकता है. अच्छा कर्म करनेवाले को समस्याएं आती हैं लेकिन वह निपटभी जाती है लेकिन जिनके कर्म बुरे होते है उन्हें कभी सुकुन की नींद नहीं आती. इत्र की दुकान में बिना कुछ खरीदे भी कम से कम आदमी सुगंध लेकर आता है. ऐसे ही अच्छे कर्म आपको सदा सम्मान दिलाते है.

राष्ट्रीय दूरदर्शी नेता है

नितिन गडकरी

पार्टी ही नहीं सर्वदलीय लोकप्रिय नेता के रूप में बनाई है पहचान

महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर की राजनीति में विदर्भ के दबंग नेता और जिन्हें दूरदर्शी नेता के रूप में विकास पुरुष के रूप में माना जाता है ऐसे केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का नाम सुनते ही न केवल सत्ता पक्ष बल्कि विपक्ष के नेताओं में भी अपार सम्मान की भावना देखी जाती है. राज्य के लोक निर्माण मंत्री के रूप में जहां उन्होंने सड़कों और उड़ान फूलों के माध्यम से विकास की नई परिभाषा लिख डाली वहीं दूसरी ओर नितिन गडकरी का आसमानी ऊंचाई वाला व्यक्तित्व और स्पष्ट रूप से अपने विचार रखने की भावना ने समूचे देश का ध्यान सदा आकर्षित किया है. माता-पिता के आदर्श संस्कार और बचपन से ही सेवा भाव जैसी खूबियों के कारण वे न केवल महाराष्ट्र बल्कि राष्ट्रीय स्तर के नेतृत्व करने में सक्षम नेता के रूप में लोगों के दिलों में स्थान बनाने में सफल रहे हैं. आज के दौर में जहां नेताओं को लेकर विश्वसनीयता घट रही है, वहीं बोले थे तैसा चाले के सिद्धांत पर चलने वाले अपार लोकप्रिय नेता के रूप में नितिन गडकरी का सम्मान पूरा देश करता है. विदर्भ के लिए तो वह किसी वरदान से कम नहीं है. नागपुर का विकास देखकर निश्चित तौर पर उनकी कर्मठता और विकास के विजन का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है.

भारत की राजनीति में भाजपा के राष्ट्रीय नेता नितिन गडकरी ऐसे नेता माने जाते हैं, जिन्होंने विकास और बुनियादी ढांचे को नई दिशा दी। उन्हें देश में सड़कों, एक्सप्रेस-वे और हाईवे निर्माण के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। अपनी कार्यशैली, स्पष्टवादिता और विकासवादी सोच के कारण वे देशभर में लोकप्रिय हैं।

व्यक्तित्व की विशेषताएं

प्रारंभिक जीवन- नितिन गडकरी का जन्म २७ मई १९५७ को महाराष्ट्र के नागपुर शहर में एक साधारण मराठी परिवार में हुआ। उनका परिवार कृषि और सामाजिक मूल्यों से जुड़ा रहा। बचपन से ही उनमें समाजसेवा और नेतृत्व के गुण दिखाई देने लगे थे। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से वाणिज्य और कानून की शिक्षा प्राप्त की। छात्र जीवन में वे सामाजिक और छात्र आंदोलनों से जुड़े रहे।

राजनीतिक सफर- नितिन गडकरी ने छात्र संगठन एबीवीपी से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। बाद में वे भारतीय जनता पार्टी के युवा संगठन से जुड़े और धीरे-धीरे संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालने लगे। उनकी संगठन क्षमता और प्रशासनिक कौशल ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। साल १९९५ में महाराष्ट्र सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री बनने के बाद उन्होंने सड़क विकास के कई बड़े प्रकल्प शु डिग्री किए। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है। इसके बाद वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बने और संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में नितिन गडकरी भारत सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं और देशभर में आधुनिक हाईवे, फ्लाईओवर और एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय राजमार्गों का तेजी से विस्तार हुआ और भारत का सड़क नेटवर्क दुनिया के सबसे बड़े नेटवर्कों में शामिल हुआ। उन्हें एक्सप्रेस-वे मैन ऑफ इंडिया और फ्लाईओवर मैन जैसे नामों से भी जाना जाता है। वे हरित ऊर्जा, इथेनॉल ईंधन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी लगातार कार्य कर रहे हैं।

मा.ना. श्री. नितिनजी गडकरी

(केंद्रीय रस्ते व महामार्ग मंत्री, नवी दिल्ली)

अभिनंदन अर्बन को-ऑप. बँक लि., अमरावती चे मुख्य कार्यालयाला

सदिच्छा भेट

निमित्त

हार्दिक स्वागत!

शुभेच्छुक- सुदर्शन गांग, अरुण कडू, प्रदीप जैन | आनंद परिवार, बडनेरा,अमरावती

विशेष संपादकिय

संवेदनशील नेता हैं नितिन गडकरी

घोषणा नहीं उसे सच करने में लगाते हैं पूरी ताकत

समय के साथ ही राजनेताओं को लेकर लोगों की सोच बदल रही है लेकिन केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी देश के ऐसे संवेदनशील नेता हैं, जिनका सम्मान भाजपा के साथ ही सभी दलों के नेता करते हैं. घोषणाओं की बजाय विकास का विजन रखते हुए उसे सच्चाई के धरातल पर उतारने का प्रयास निरंतर करते हैं. भारतीय राजनीति में कुछ नेता केवल अपने पद और सत्ता के कारण नहीं, बल्कि अपने व्यवहार, कार्यशैली और संवेदनशीलता के कारण जनता के दिलों में विशेष स्थान बना लेते हैं। नितिन गड़करी ऐसे ही नेताओं में गिने जाते हैं। विकास पुरुष की छवि रखने वाले गडकरी केवल बड़े प्रकल्पों और सड़कों के निर्माण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे आम नागरिकों की समस्याओं को समझने वाले संवेदनशील जननेता के रूप में भी पहचाने जाते हैं।सादगी-स्पष्टता-कार्यकुशलता का संगम हैंअमरावती के साथ नागपुर से विशेष लगाव रखने वाले नितिन गडकरी को विदर्भ का कोहिनूर नेतृत्व कहना गलत नहीं होगा. उनके व्यक्तित्व में सादगी, स्पष्टता और कार्यकुशलता का अनोखा संगम है। वे हमेशा यह मानते रहे हैं कि राजनीति का मूल उद्देश्य समाजसेवा होना चाहिए। यही कारण है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों, युवाओं और छोटे उद्यमियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उनके समाधान के लिए व्यावहारिक निर्णय लेने का प्रयास करते हैं। विदर्भ जैसे किसान आत्महत्या प्रभावित क्षेत्र के प्रति उनका विशेष जुड़ाव रहा है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए जैविक खेती, बायोफ्यूल, एथेनॉल उत्पादन और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन दिया। उनका मानना है कि गांवों में रोजगार उपलब्ध कराए बिना देश का वास्तविक विकास संभव नहीं है। गडकरी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल घोषणाएं नहीं करते, बल्कि योजनाओं को जमीन पर उतारने पर विश्वास रखते हैं। चाहे राष्ट्रीय राजमार्गों का जाल बिछाना हो, जल संरक्षण की योजनाएं हों या पर्यावरण संरक्षण से जुड़े उपक्रम उन्होंने हर क्षेत्र में दूरदृष्टि दिखाई है।व्यक्तिगत मदद में भी आगेउनकी संवेदनशीलता केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं है। वे व्यक्तिगत रूप से जरूरतमंदों की मदद करते हैं, सामाजिक संस्थाओं को सहयोग देते हैं और कठिन परिस्थितियों में लोगों के साथ खड़े रहते हैं। यही मानवीय दृष्टिकोण उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाता है। गडकरी हमेशा सकारात्मक राजनीति के पक्षधर रहे हैं। वे विरोधियों पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने की बजाय काम और परिणामों की राजनीति में विश्वास रखते हैं। उनकी यही कार्यशैली उन्हें सभी दलों के नेताओं के बीच भी सम्मान दिलाती है। आज जब राजनीति में कटुता और आरोप-प्रत्यारोप का माहौल बढ़ रहा है, ऐसे समय में नितिन गडकरी जैसे संवेदनशील और विकासोन्मुख नेता लोकतंत्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी कार्यशैली जहां सभी को साथ लेकर विकास का संदेश देती है, वहीं संदेश देती है कि जनप्रतिनिधि वही सफल है, जो जनता के सुख-दुख को अपना समझे और समाजहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। पूरी तरह से सकारात्मक सोच, जनता की भलाई के साथ ही विकास को ही अपना लक्ष्य मानकर वे कार्य करते हैं. यही कारण है कि उन्हें देशभर में अपार लोकप्रियता मिली है. उनके स्वस्थ, उज्वल जीवन के लिए विदर्भ स्वाभिमान की हार्दिक शुभकामनाएं.

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है. मोबाइल नंबर ९४२३४२६१९९/८८५५०१९१८९.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों, कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.
संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.
www.vidarbhswabhiman.com

विश्वसनीयता, पारदर्शिता और समर्पण का संगम है अभिनंदन बैंक

बैंकों की कामयाबी में विश्वसनीयता का सबसे अधिक महत्व होता है. अभी तक जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के पाच दर्जन पुरस्कार प्राप्त कर चुकी अभिनंदन अर्बन कोऑपरेटिव बैंक विदर्भ की पहली ऐसी बैंक है जिसने २५ वर्षों के दौरान लगातार ग्राहकों को आधुनिकतम सुविधाएं देने के साथ विश्वसनीयता और पारदर्शिता के भरोसे लगातार आसमानी बुलंदी हासिल की है. बैंक का एनपीए जहां अन्यों के लिए उदाहरण है, वहीं दूसरी ओर बैंक की सभी शाखाएं ग्राहकों के विश्वास के साथ तत्पर सेवा के लिए समर्पित रहती हैं. विश्वसनीयता, पारदर्शिता के साथ कर्मयोगियों के समर्पण की त्रिवेणी संगम के रूप में अभिनंदन बैंक ने सहकारिता क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है. ३१ मई को राष्ट्रीय नेता और केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी सदिच्छा भेंट दे रहे हैं. बैंक को उत्तरोत्तर प्रगति के लिए विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं.

आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में कोई भी बैंक केवल आर्थिक लेन-देन का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह समाज के विश्वास, विकास और सेवा भावना का केंद्र बन चुका है। ऐसे समय में अभिनंदन बैंक ने अपनी कार्यशैली, ईमानदारी और जनसेवा के माध्यम से लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान बनाया है। विश्वसनीयता, पारदर्शिता और समर्पण-ये तीनों गुण अभिनंदन बैंक की पहचान बन चुके हैं।

अभिनंदन बैंक ने हमेशा ग्राहकों के विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बैंक की मजबूत आर्थिक नीति, सुरक्षित निवेश व्यवस्था और समय पर सेवा प्रदान करने की कार्यप्रणाली ने ग्राहकों का भरोसा और अधिक मजबूत किया है। यही कारण है कि छोटे व्यापारी, किसान, कर्मचारी और युवा वर्ग सभी इस बैंक से आत्मीयता का संबंध महसूस करते हैं।

पारदर्शिता किसी भी संस्था की सबसे बड़ी पूंजी होती है। अभिनंदन बैंक ने अपने हर व्यवहार में स्पष्टता और ईमानदारी को महत्व दिया है। बैंक की योजनाएं, ऋण प्रक्रिया, ब्याज दरें और ग्राहक सेवा पूरी तरह पारदर्शी होने के कारण लोगों में विश्वास का वातावरण निर्मित हुआ है। ग्राहकों को बिना किसी भ्रम के सही जानकारी देना बैंक की विशेष कार्यसंस्कृति का हिस्सा है।

समर्पण की भावना ही किसी संस्था को महान बनाती है। अभिनंदन बैंक के अधिकारी और कर्मचारी केवल कर्तव्य निभाने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे ग्राहकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए संवेदनशीलता और सेवा भाव से कार्य करते हैं। सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए बैंक शिक्षा, सामाजिक सेवा और जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्यों में भी सक्रिय योगदान देता रहा है।

डिजिटल युग में अभिनंदन बैंक आधुनिक तकनीक को अपनाकर ग्राहकों को तेज और सुरक्षित बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और डिजिटल भुगतान जैसी सेवाओं ने ग्राहकों का जीवन सरल बनाया है। इसके साथ ही बैंक मानवीय मूल्यों और आत्मीय व्यवहार को भी बनाए हुए है, जो इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

निस्संदेह , अभिनंदन बैंक केवल एक बैंक नहीं, बल्कि विश्वास और सेवा का प्रतीक बन चुका है। विश्वसनीयता, पारदर्शिता और समर्पण का यह सुंदर संगम समाज के आर्थिक विकास के साथ-साथ मानवीय संबंधों को भी सशक्त बना रहा है। ऐसे संस्थान ही राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कोऑपरेटिव में कार्पोरेटिव कल्चर

सहकारिता क्षेत्र में आसमानी बुलंदी हासिल करने वाली अभिनंदन बैंक कोऑपरेटिव बैंक है लेकिन बैंक प्रबंधन द्वारा ग्राहकों की सुविधाओं के मामले में इसे कॉरपोरेटिव बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है. बैंक का कैंप रोड स्थित मुख्यालय जिस तरह से बनाया गया है वह किसी नामी राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय कंपनी के तर्ज पर है. बैंक ने लाकर के अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए डबल डोअर बायमॅट्रीक्स लॉकरी सुविधा की गई है. आधुनिकतम सुविधाओं से जहां बैंक लैस है, वहीं दूसरी ओर कर्तव्य परायण अध्यक्ष एड.विजय बोथरा तथा प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग के कुशल नेतृत्व संचालक मंडल के समर्पित संचालकों के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवाजी देठे, अनिल उगले उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ सभी बैंक प्रबंधक तथा कर्मयोगियों के सहयोग से सहकारिता क्षेत्र की यह बैंक निगमित कार्य प्रणाली का अनुसरण कर अपने ग्राहकों को बेहतरीन सुविधा दे रही है.

पेज ४ से आगे

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है. इस व्यवस्था को बनाए रखना और उसे मज़बूत बनाना सभी का कर्तव्य है. ऐसे में मतदान का महत्व असाधारण है. यह माना जाता है कि योग्य मतदाता बिना किसी प्रलोभन में आए, निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें और अपना पंजीकरण कराएँ. जनवरी 2023 तक देश में मतदाताओं की संख्या 94 करोड़ हो जाएगी. हालाँकि 1951 से मतदाता सूची में छह गुना वृद्धि हुई है, फिर भी मतदान के प्रति उदासीनता बनी हुई है. लगभग एक-तिहाई मतदाता लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं. 1951 में पहले आम चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार की गई थी. उस समय लगभग 17 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे. इनमें से 45 प्रतिशत ने स्वतंत्र भारत के पहले चुनाव में मतदान किया था. 1957 के लोकसभा चुनाव में 47 प्रतिशत और 1962 के चुनाव में 55 प्रतिशत ने मतदान किया था. अब 2024 में यह प्रतिशत 65 प्रतिशत तक पहुँच गया है. लोकतंत्र में मतदाता राजा होता है. उसे अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए. चुनाव आयोग का काम केवल चुनाव कराना ही नहीं है, बल्कि उससे लोगों को लोकतंत्र के बारे में शिक्षित करना और मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करना भी अपेक्षित है. देश में युवाओं की आबादी 60 से 65 प्रतिशत है. सोशल मीडिया पर लगातार राजनीति पर अपनी राय व्यक्त करने वाले युवाओं को वास्तविक मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए. इसके लिए सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग ज़रूरी है. इसी पृष्ठभूमि में, चुनाव आयोग देश भर में मतदाता सूचियों को सटीक और अद्यतन बनाने के लिए विशेष मतदाता सत्यापन (SIR) अभियान चलाने जा रहा है. अभियान के पहले चरण की घोषणा जल्द ही की जाएगी. यह अभियान नवंबर से लागू होगा. बिहार में यह अभियान 24 जून से 30 सितंबर तक चलाया गया था, लेकिन अब आयोग इस काम को कम समय में पूरा करने जा रहा है. इसके लिए केंद्रीय चुनाव आयोग ने सभी केंद्र शासित प्रदेशों और राज्यों को पुरानी और नई मतदाता सूचियों का मिलान पहले से शुरू करने का आदेश भी दिया है, जो एक स्वागत योग्य कदम है.

नितीनजी गडकरी

विकास के एक्सप्रेस-वे मैन

नितिनजी गडकरी केवल एक मंत्री नहीं, बल्कि विकासवादी सोच के प्रतीक हैं। वे प्रशासनिक फाइलों को भी बुलेट ट्रेन जैसी गति देने में विश्वास रखते हैं। नवाचार, उद्यमिता और विज्ञान ही भविष्य की असली ताकत हैं। आज उनकी पहचान एक ऐसे कर्मयोगी नेता की बन चुकी है, जो सड़क निर्माण के माध्यम से भारत का भविष्य गढ़ रहे हैं।

जो बोलता हूँ, वो करता हूँ

नितिनजी की कार्यशैली स्पष्ट, परिणाममुखी और समयबद्ध है। उनका मूल मंत्र है – गुणवत्ता से समझौता नहीं और कार्य में अनावश्यक विलंब नहीं। वे केवल कार्यालयों तक सीमित मंत्री नहीं हैं, बल्कि स्वयं प्रोजेक्ट साइट्स पर जाकर कार्यों की समीक्षा करते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि उनके नेतृत्व में परियोजनाएँ तेजी से धरातल पर उतरती हैं।

स्पीड और स्केल के प्रतीक

नितिनजी बड़े विजन और तेज़ क्रियान्वयन के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने भारत के हाईवे नेटवर्क को नई दिशा दी। गांव, शहर, उद्योग, बंदरगाह और सीमावर्ती क्षेत्रों को जोड़ने वाली आधुनिक सड़कों ने देश की आर्थिक गति को नई ऊर्जा प्रदान की है।

आदरणीय नितीनजी गडकरी आज भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति का पर्याय बन चुके हैं। उनका विजन केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि सड़क के माध्यम से सम्पूर्ण देश को विकास, उद्योग, रोजगार और समृद्धि से जोड़ने का है। वर्ष २०१४ से लगातार वे सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का सफल नेतृत्व कर रहे हैं। वे देश के उन विरले मंत्रियों में शामिल हैं जिन्हें एक ही मंत्रालय में दीर्घकाल तक कार्य करने का अवसर मिला। इसी कार्यशैली के कारण उन्हें ***Expressway Man of India*** तथा फ्लाईओवर मैन जैसे लोकप्रिय संबोधन प्राप्त हुए हैं। इस विकास यात्रा की शुरुआत उन्होंने महाराष्ट्र के लोक निर्माण मंत्री रहते हुए ऐतिहासिक मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे परियोजना से की थी। आज वही दृष्टि राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई देती है। पिछले एक दशक में भारत में सड़क निर्माण की गति विश्व के सबसे तेज़ निर्माण अभियानों में गिनी जाने लगी है।

दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे, द्वारका एक्सप्रेसवे तथा भारतमाला परियोजना जैसे अनेक महत्वाकांक्षी प्रकल्प उनकी दूरदृष्टि और निर्णायक नेतृत्व क्षमता के उदाहरण हैं।

नवाचार के ब्रांड एंबेसडर

उनकी अपशिष्ट से संपदा नीति आज देशभर में चर्चा का विषय है। सड़क निर्माण में प्लास्टिक कचरा, रबर, जूट तथा अन्य पुनर्चक्रित सामग्री के उपयोग को बढ़ावा देकर उन्होंने लागत कम करने के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण का भी प्रभावी संदेश दिया। उनका मानना है कि विकास और पर्यावरण एक–दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं।

बेबाक और पारदर्शी नेतृत्व

नितिनजी राजनीति में अपनी स्पष्टवादिता और पारदर्शी कार्यशैली के लिए विशेष रूप से पहचाने जाते हैं। उन्होंने ऊझठ तैयार करने वाली कंपनियों के लिए रेटिंग प्रणाली लागू की तथा निर्माण में त्रुटि पाए जाने पर १० वर्ष की जवाबदेही नीति लागू कर जवाबदेही सुनिश्चित की।

सड़क सुरक्षा के पुरोधा

भारत में सड़क दुर्घटनाओं की गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए उन्होंने वर्ष २०३० तक शून्य सड़क मृत्यु का लक्ष्य रखा है। भारतीय सड़क सुरक्षा आकलन कार्यक्रम के अंतर्गत हजारों किलोमीटर सड़कों का ऑडिट कराकर सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं।

विकास का उनका मॉडल

नितिनजी का स्पष्ट दृष्टिकोण है – बुनियादी ढांचा = आर्थिक विकास + रोजगार + सामाजिक न्याय उनका मानना है कि अच्छी सड़कें केवल यात्रा आसान नहीं बनातीं, बल्कि किसान की उपज को बाजार तक पहुंचाती हैं, उद्योगों को गति देती हैं, निवेश आकर्षित करती हैं और पर्यटन के नए द्वार खोलती हैं।

सुदर्शन गांग
मो.९४२२१५६५२३

मा.ना. श्री. नितिनजी गडकरी
(केंद्रीय मंत्री, रस्ते परिवहन व महामार्ग, भारत सरकार)

- संचालक मंडळ -

हुकमचंद डागा, संस्थापक | ॲड. विजय बोथरा, अध्यक्ष | डॉ.सुरेंद्र बरडिया, उपाध्यक्ष

सुदर्शन गांग, राजेंद्रकुमार सिंघई, कंवरीलाल ओस्तवाल, राजेंद्र भंसाली, किशोर बोकरिया, ॲड. गौरव लुनावत, नवीन चोरडिया, अरुण कडू, सुनिल सरोदे, शंकर शिंदे, सौ.सरला भंसाली, श्रीमती किरण जैन

- व्यवस्थापन मंडळ -

सुदर्शन गांग, अध्यक्ष | ॲड. विजय बोथरा, हुकमचंद डागा, ॲड. भारतप्रकाश खजांची, सी.ए. श्रेणिक बोथरा, शितलकुमार लुनावत

आपल्या स्नेह, सहकार्य व विश्वासाने उभारलेली

अभिनंदन अर्बन को-ऑप. बँक लि.

मुख्य कार्यालय- अभिनंदन हाइट्स, कॅम्प, अमरावती

मा.ना. श्री. नितिनजी गडकरी
(केंद्रीय मंत्री, रस्ते परिवहन व महामार्ग, भारत सरकार)

अभिनंदन अर्बन को-ऑप. बँक लि., अमरावती चे मुख्य कार्यालय, अभिनंदन हाइट्स, कॅम्प रोड, अमरावती येथे 31 मे 2026 रोजी दुपारी 1.30 वाजता कार्यालयास

सदिच्छा भेट देत आहेत. या प्रसंगी आपण सादर आमंत्रीत आहात.

- विनीत-

हुकमचंद डागा, संस्थापक | सुदर्शन गांग, अध्यक्ष, व्यवस्थापन मंडळ | डॉ.सुरेंद्र बरडिया, उपाध्यक्ष | ॲड. विजय बोथरा, अध्यक्ष

शिवाजी देठे
एम.डी./सी.ई.ओ.
समस्त संचालक मंडळ, व्यवस्थापन मंडळ व अभिनंदन परिवार

मा.ना. श्री. नितिनजी गडकरी
(केंद्रीय रस्ते व महामार्ग मंत्री, नवी दिल्ली)

अभिनंदन अर्बन को-ऑप. बँक लि., अमरावती चे मुख्य कार्यालयाला

सदिच्छा भेट निमित्त

हार्दिक स्वागत!

अभिनंदन अर्बन को-ऑप. बँक लि.

दबंग नेता
नितिनजी गडकरी

संकट को अवसर में बदलना चाहिए – यह बात हम हमेशा पढ़ते और सुनते आए हैं। लेकिन यदि इसका वास्तविक उदाहरण देना हो, तो राष्ट्रीय स्तर पर जो नाम सबसे पहले सामने आता है, वह है नितिनजी गडकरी।

अचानक पूरी दुनिया कोरोना महामारी की चपेट में आ गई। देश चिंतित था, लेकिन नितिनजी तुरंत काम में जुट गए। पीपीई किट्स और सैनिटाइज़र अत्यंत कम कीमतों पर उपलब्ध हो सकते हैं, यह सबसे पहले नितिनजी ने देश को दिखाया। कोरोना का संकट भले ही बड़ा था, लेकिन बदलती परिस्थितियों में देश आगे कैसे बढ़ सकता है, इसका स्पष्ट दृष्टिकोण नितिनजी ने प्रस्तुत किया और लोगों ने उसे स्वीकार भी किया। क्योंकि जो कहते हैं, उसे करके दिखाने वाले नेता के रूप में नितिनजी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। युवाओं की भाषा में कहें तो गडकरी मतलब ***Brand, Visionary, Motivator, Real Leader Am¡a Great Inspiration!***

नितिनजी गडकरी स्वयं विकास शब्द का वास्तविक अर्थ बन चुके हैं। अपने अद्भुत कर्तृत्व, अपार साहस और असाधारण कल्पनाशक्ति के आधार पर उन्होंने विकास के नए मानदंड स्थापित किए। पहले राजनीति में यह परंपरा थी कि जनता मांग करती थी और फिर नेता उसे पूरा करते थे। लेकिन नितिनजी ने जनता को मांग करने की नौबत ही नहीं आने दी। उन्होंने स्वयं कमियां खोजीं और उन्हें दूर किया। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सुविधाओं की मानो वर्षा कर दी। केवल नागपुर ही नहीं, बल्कि पूरे देश में उन्होंने विकास का यह तूफान खड़ा किया। लेह-लद्दाख से लेकर कन्याकुमारी तक नितिनजी की पहचान उनके विकास कार्यों से बनी। देश का कोई भी ऑटो रिक्शा चालक कह देता है – यह काम गडकरी साहब की वजह से हो रहा है। कुछ नेताओं ने जब अपने क्षेत्र के विकास पर ध्यान नहीं दिया तो जनता ने उन्हें हराते हुए सीख दी. लेकिन नितिनजी जैसे नेताओं ने इस परंपरा को तोड़ दिया। उन्होंने यह समझा कि जिस क्षेत्र ने आपको देश का नेतृत्व करने का अवसर दिया है, उसे हथेली के फोड़े की तरह संभालना चाहिए। उन्होंने संसदीय क्षेत्र के विकास के नए मानदंड स्थापित किए। जनता की मांग से पहले ही सड़कें, नालियां, मेट्रो, अस्पताल, स्वास्थ्य सुविधाएं, पानी, बिजली, उद्योग, रोजगार, शिक्षा, गरीबी उन्मूलन, सामाजिक स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था जैसे हर क्षेत्र में स्वयं पहल की। नागपुर में कदम रखते ही बाहर का व्यक्ति शहर का बदला हुआ स्वरूप महसूस करता है।

आमतौर पर देश संभालने वाला नेता अपने क्षेत्र में उपलब्ध नहीं होता, लेकिन नितिनजी इसमें भी अपवाद हैं। उन्होंने हजारों लोगों से नियमित रूप से मिलने की परंपरा बनाई। गरीब और सामान्य लोगों को तुरंत सहायता मिलती है। लोगों को यह संतोष रहता है कि उनका नेता उन्हें सुनता है, उनसे मिलता है। नितिनजी के क्षेत्र का विकास हुआ, मोदीजी के क्षेत्र का विकास हुआ, और इसके बाद अन्य नेताओं ने भी अपने क्षेत्रों पर ध्यान देना शुरू किया। जनता को जब यह समझ में आया कि विकास ही असली राजनीति है, तब राहुल गांधी को अमेठी में हार का सामना करना पड़ा। ज्योतिरादित्य सिंधिया और सुशीलकुमार शिंदे जैसे दिग्गज नेताओं को भी अपने पारंपरिक क्षेत्रों में पराजय झेलनी पड़ी।

नितिनजी जिस काम को हाथ में लेते हैं, उसे सफल बनाकर दिखाते हैं। कुछ ही महीनों में उन्होंने गंगा सफाई अभियान को नई दिशा दी। जब स्वयं गंगा मार्ग का निरीक्षण करने पहुंचीं और गंगाजल ग्रहण किया, तो इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है?

जाति, धर्म और पार्टी से ऊपर उठकर काम करने वाले नेता के रूप में नितिनजी की पहचान है। नागपुर से उन्हें विशेष प्रेम है, लेकिन विदर्भ के प्रति उनका स्नेह कभी कम नहीं हुआ। जलसिंचन और विकास के क्षेत्र में उन्होंने ऐतिहासिक कार्य किए। किसानों के प्रति उनके मन में गहरी संवेदनशीलता है।

– शिवराय कुलकर्णी,
प्रवक्ता, भाजपा, महाराष्ट्र

(शेष २ पर)

विकास, दूरदृष्टि और परिणामकारी नेतृत्व का अद्वितीय उदाहरण
नितिनजी गडकरी

नितिनजी आज भारत के उन नेताओं में गिने जाते हैं जिन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर को केवल सरकारी विभाग नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया है। उनकी सोच आधुनिक भारत को तेज, सुरक्षित, सक्षम और आर्थिक रूप से अधिक मजबूत बनाने की दिशा में केंद्रित रही है। सड़क, एक्सप्रेस वे, हरित ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और ग्रामीण संपर्क के क्षेत्र में उनका योगदान आने वाले वर्षों तक भारत के विकास मॉडल का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाएगा। वास्तव में, नितिनजी विकास, दूरदृष्टि और परिणामकारी नेतृत्व के ऐसे उदाहरण हैं जिन्होंने नए भारत की गति को नई पहचान दी है।

भारत के आधुनिक बुनियादी ढांचे की चर्चा जब भी होती है, तब जिन व्यक्तित्वों का नाम सबसे प्रमुखता से लिया जाता है, उनमें आदरणीय नितिनजी गडकरी का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि दूरदर्शी योजनाकार, तेज निर्णय लेने वाले प्रशासक और परिणाम देने वाले नेतृत्व के प्रतीक माने जाते हैं।

सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र में उनके नेतृत्व में हुए परिवर्तन ने भारत के विकास की गति को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान की है। प्रशासनिक क्षमता, तकनीकी समझ और उद्योग जगत से प्रभावी संवाद स्थापित करने की उनकी शैली उन्हें अन्य नेताओं से अलग पहचान देती है। नितीनजी गडकरी भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर परिवर्तन के शिल्पकार है। सड़कों और एक्सप्रेसवे का अभूतपूर्व विस्तार अभूतपूर्व गति से विस्तारित हो रहा है। आपश्री के कार्यकाल में हजारों किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ तथा सड़क निर्माण की गति विश्व के तेज़तम विकास कार्यक्रमों में शामिल होने लगी है।

सुभाष दुबे
मो.९४२३४२६१९९

एक्सप्रेसवे युग की नई शुरुआत

भारत में आधुनिक एक्सप्रेसवे नेटवर्क को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण श्रेय नितिनजी को जाता है। कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं ने देश के आर्थिक मानचित्र को बदलने का कार्य किया है,

जिनमें प्रमुख हैं –

दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे

मुंबई–नागपुर एक्सप्रेसवे

भारतमाला परियोजना

इन परियोजनाओं ने न केवल परिवहन को आधुनिक बनाया, बल्कि उद्योग, पर्यटन, कृषि और व्यापार को भी नई गति प्रदान की।

ग्रीन हाईवे की दूरदृष्टि

नितिनजी गडकरी का विकास मॉडल केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने ग्रीन हाईवे की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए विकास और पर्यावरण के संतुलन पर विशेष बल दिया।

उनकी पहल में

* राजमार्गों के किनारे व्यापक वृक्षारोपण
* जल संरक्षण पर विशेष ध्यान
* कचरे से सड़क निर्माण जैसी नवाचार तकनीक
* पर्यावरण–अनुकूल निर्माण पद्धतियों का उपयोग

जैसी योजनाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय रही हैं।

किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के प्रति दृष्टिकोण:

नितिनजी का मानना है कि भारत की वास्तविक शक्ति गांव और किसान हैं। इसी सोच के साथ उन्होंने ग्रामीण सड़क संपर्क सुधारने, कृषि उत्पादों के परिवहन को सरल बनाने और लॉजिस्टिक लागत कम करने पर विशेष ध्यान दिया।

एक्सप्रेस वे संस्कृति को नई गति मिली

ग्रामीण क्षेत्रों का शहरों से संपर्क मजबूत हुआ

लॉजिस्टिक और परिवहन व्यवस्था अधिक प्रभावी बनी है

SHRIKRUSHNA
HEART AND MULTISPECIALITY HOSPITAL
Caring Like Family. Healing with Trust.

130 बेडेड
हार्ट ॲण्ड मल्टिस्पेशालिटी हॉस्पिटल

समर्पित तज्ञ डॉक्टर, अत्याधुनिक सुविधा, व 24 x 7 आपत्कालीन सेवांसह आज पासून आपल्या सेवेत.

TODAY
GRAND
INAUGURATION
CEREMONY

TIME : 6.00 PM Onwards
DATE : Saturday, 30th May 2026

आमचे संचालक

डॉ. मनोज निचत
Senior Physician

डॉ. गौरव वसुले
Cardiologist

डॉ. किरण म.निचत
Ayurveda Physician

वैद्यकीय विभाग
- इंटर्नल मेडिसिन
- कार्डिओलॉजी
- न्यूरोलॉजी
- ऑर्थोपेडिक्स
- जनरल सर्जरी
- रेडिओलॉजी
- पॅथॉलॉजी
- नेफ्रोलॉजी
- प्लास्टीक सर्जरी
- युरोलॉजी
- रेस्पिरेटरी मेडिसिन
- ऑन्कोलॉजी
- इंटरव्हेन्शनल रेडिओलॉजी
- ENT
- सायकॉलॉजी
- फिजिओथेरपी
- डेंटल
- डायटिशियन

सुविधा व इन्फ्रास्ट्रक्चर
- फिलिप्स अत्याधुनिक कॅथ लॅब
- 05 मोड्युलर ओ.टी.कॉम्प्लेक्स
- 24 x 7 आपत्कालीन सेवा
- ICU व क्रिटिकल केअर
- 24 x 7 फार्मसी
- 24 x 7 पॅथॉलॉजी सेवा
- ॲम्ब्युलन्स सेवा
- रुग्ण व नातेवाईकांसाठी भोजन व्यवस्था
- स्टाफ आणि रुग्ण नातेवाईकांसाठी निवास व्यवस्था
- प्रशस्त पार्किंग

उद्घाटक व प्रमुख पाहुणे

मा. खा.डॉ.श्री. अनिलभाऊ बोंडे राज्यसभा सदस्य	मा. खा.श्री.बळवंतभाऊ वानखडे लोकसभा सदस्य
मा.आ.श्री. रवीभाऊ राणा विधानसभा सदस्य	मा. सौ.नवनीतजी राणा माजी लोकसभा सदस्य
मा.आ.श्री.संजयभाऊ खोडके विधानपरीषद सदस्य	मा. आ.सौ.सुलभाताई खोडके विधानसभा सदस्य

आयुर्वेद विभाग
- केरलीय ट्रिटमेंट व पंचकर्मा
- कोरीयन हेअर ,स्किन ट्रिटमेंट
- शिरोधारा
- सुवर्णप्राशन
- वात, पित्त, कफ, व सर्व व्याधी उपचार
- आयुर्वेद रुग्णांसाठी निवास व योगा मेडीटेशन सेंटर

ad square

समर्थवाडी, योगीराज आश्रमाजवळ, बडनेरा रोड, अमरावती

0721-2564143, 7620102363 | 9823125233 (WhatsApp Business) | Website :- https://shrikrushnaheartandmultispecialityhospital.com

भगवान श्रीनिवास ने अपनी चिंता मां को बताई

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी- अपनी आँखें धीरे-धीरे खोल कर काम विकार मन में रहते हुए श्रीहरि ने इस रूप में कहा. 'हे जननी ! प्रेम से तुम पूछ रही हो. मैं बताऊँगा. सुनो. एक हाथी का पीछा करते हुए मैं पर्वत से उतर कर गया. वहाँ सामने एक पुष्प वन दिखाई दिया. उस वन में एक सुंदरी विद्युल्लता की तरह अत्यंत सुंदर लावण्ययुक्त सर्वलक्षण कलित सामने दिखाई दी. उस कांता के पैर कोमल कोंपल-पल्लव हैं. कटि सिंह जैसी है. जांघे केले के पेड़ के समान हैं. कमर गगन समान है. हस्त लाल कमल जैसे हैं. उसके स्तन सोने के कलश हैं. कंठ शंख जैसा है. सुंदर दर्पण जैसे गाल. चेहरा मानो शहद का कुँआँ जैसा है. दाँत जूही के फूल जैसे हैं. कान श्री लक्ष्मी जैसे हैं. नासिका तिल पुष्प जैसी है. उस ललितांगी की आंखें मीन जैसी हैं. भौहें सुंदर कलाओं से भरी हैं. मुख उसका चंद्र बिंब जैसा है. सर के बाल भ्रमर के पंख जैसे हैं. हे जननी ! उस कामिनी के सौंदर्य का वर्णन ब्र्हम भी नहीं कर सकते हैं. मैं कैसे बता सकता हूँ? मेरे मन में वह बस गयी है. उसके साथ मेरा प्रियानुबंध बैठ गया है.मैं उससे विवाह करना चाहता हूँ. है जननी ! अगर ऐसा नहीं होगा तो मैं सहन नहीं कर पाऊँगा. सर की चोट को ठीक करनेवाली तुझे छोड़कर जाने का कारण यही है. मुझे उसकी चिंता है. संतोष के साथ अगर मैं उसे प्राप्त नहीं कर सकता तो मैं सहन नहीं कर पाऊंगा. अब तुम ही और किसी दूसरी जगह तुझे छोड़कर नहीं जाऊँगा.' इस रूप में हरि के शीघ्रता से उसे मेरे पास ले आओ. तब मैं संतोष के साथ यहीं रहूँगा. कहने से तब वकुला मालिका ने हरि की ओर देखकर इस रूप में कहा. 'हे पुत्र ! तुमने जिस लतांगी को देखा है, उसका कुल, गोत्र सुनाओ. माता-पिता के विवेक और उसके विवेक के बारे में मुख्य रूप से

जानने की जरूरत है. विवाह करने योग्य कन्या हो तो अवश्य विवाह करवा देंगे. उसका नाम क्या है? कहाँ रहती हैं? ठीक-ठीक बताओ. विवाह करवा दूंगी.' वकुला मालिका की इन बातों को सुनकर वासुदेव ने महा-मोह से इस रूप में कहा. हे जननी ! उस क्रम को निश्चय ही सुनो. सूर्य वंशी आकाशराज ने संतान के न होने से महा पुत्रकामेष्टि यज्ञ किया. उस क्रम में भूमि को जोतने से भूमि के अंदर से एक पद्म प्राप्त हुआ. उस पद्म में एक बालिका को देखकर उसे महल में लाकर आकाशराज ने उसे पाला पोसा. उसका नाम पद्मावती है. अगर धरती पर मेरे साथ उसका विवाह ब्र्हम ने निश्चय किया है तो मैं जीवित रहूँगा. नहीं तो मैं यहाँ नहीं रह पाऊँगा. ऐसे में मुझे वैकुंठ पुर लौट जाना होगा. हे माँ ! सुनो. वह कन्या लक्ष्मी के समान है. इसलिए जन्म जन्मांतर पुण्य से उसी पुरुष को प्राप्त होगी. बाकी लोगों को प्राप्त नहीं होगी. पूर्व पुण्य फल से उसके साथ मैं बात कर पाया. ऐसी सुंदरी को छोडकर आ गया हूँ. मुझे अन्न जल कैसे अच्छा लगेगा?

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

मानव सेवी,पर्यावरण प्रेमी हैं डॉ.मनोज निचत

मरीजों के दुःख दर्द समझकर करते हैं सदा निवारण

अमरावती- शहर का गौरवमयी इतिहास है. वैद्यकीय क्षेत्र में श्रीकृष्ण हास्पिटल के संचालक डॉ. मनोज निचत तथा डॉ.गौरव वसुले द्वारा एक प्रकार से क्रांति की गई है. दोनों के प्रयासों से बडनेरा रोड पर समर्थवाडी के करीब बना श्रीकृष्ण हार्ट एन्ड मल्टीस्पेशालिटी हास्पिटल शहर की शान है. इसका शुभारंभ 30 मई को शाम मान्यवरों के हाथों होने जा रहा है. अस्पताल का घोषवाक्य के साथ केअरिंग लाइक फैमिली, हीलिंग विथ ट्रस्ट ही मरीजों की बेहतरीन सेवा की गारंटी देता है. डॉ. मनोज निचत जमीन से जुड़े और जीवन में संघर्ष कर कामयाबी की आसमानी तक पहुंचने वाले डॉक्टर के रूप में जाने जाते हैं. सामाजिक सेवा का भाव उनमें सदा रहा है और गरीब मरीजों के लिए विभि न्नशिविरों में भी सेवाएं देने के साथ ही पर्यावरण प्रेमी के रूप में भी पहचाने जाते हैं. सामाजिक कामों में पत्नी डॉ. किरण निचत के साथ बेटी तथा परिवार का साथ, मां का आशिर्वाद भी रहता है. यही कारण है कि वे कहते हैं कि अच्छाई में स्वयं को साबित करने और कामयाबी प्राप्त करने की ताकत है.ॉ

मरीज सेवा ही ईश्वर सेवा के सिद्धांत पर कार्य करने वाले वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मनोज निचत ने चिकित्सा क्षेत्र में 25 वर्ष की सफल सेवा के बाद अब इसका विस्तार किया है. अमरावती-बडनेरा मार्ग पर 130 बेड के सबसे बड़े अत्याधुनिक श्रीकृष्ण हार्ट एंड मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल का लोकार्पण शनिवार, 30 मई 2026 को शाम 6 बजे होने जा रहा है. बतौर उद्घाटक सांसद डॉ. अनिल बोंडे, बलवंत वानखडे, विधायक रवि राणा, पूर्व सांसद नवनीत राणा, विधायक संजय खोड़के तथा सुलभा खोड़के उपस्थित रहेंगी.

चांदूर रेलवे तहसील के मालखेड गांव में जन्मे डॉ. निचत ने नागपुर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से एमबीबीएस एवं एमडी (मेडिसीन) की शिक्षा प्राप्त कर चिकित्सा सेवा का सफर शुरू किया. अमरावती में श्रीकृष्ण हार्ट हॉस्पिटल के माध्यम से सेवा प्रारंभ करने वाले डॉ. निचत ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने निरंतर प्रयास किए.

अत्याधुनिक अस्पताल की सौगात-130 बेड की क्षमता वाले इस आधुनिक अस्पताल में एक ही छत के नीचे विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं. अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और आयुर्वेद के समन्वय से समग्र स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की व्यवस्था की गई है. डॉ.निचत, उनकी धर्मपत्नी डॉ. किरण निचत तथा डॉ. गौरव वसुले के नेतृत्व में अनुभवी डॉक्टरों, प्रशिक्षित नर्सों और विशेषज्ञ कर्मचारियों की टीम 24 घंटे मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेगी.विशेषज्ञ डाक्टर यहां रहने के कारण अस्पताल आधुनिकतम सुविधाओं के साथ ही मरीजों की सेवा में अग्रणी रहने का विश्वास दिलाया.

बढ़ती गर्मी और उष्माघात निगलती जिंदगियों पर ग़हन चिंतन जरूरी

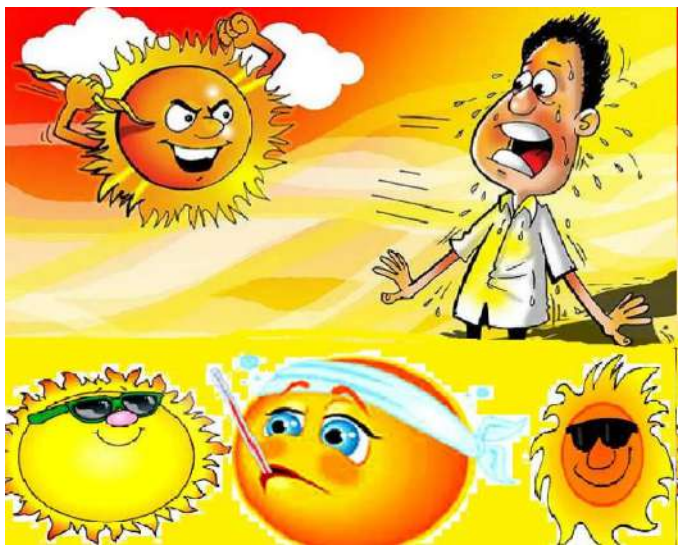

विदर्भ स्वाभिमान, 27 मई

अमरावती- शहर के साथ जिस तरह से गर्मी बढ़ रही है और उष्माघात से शहर के साथ ही देश में सैकड़ों लोगों की मौत हो रही है, वह पर्यावरण संतुलन के बढ़ते असंतुलन को दर्शा रही है. समय रहते इस पर कदम नहीं उठाना निश्चित ही भारी साबित हो सकता है.

बीते तीन दिनों के भीतर उष्माघात के कारण जिले में तीन-चार लोगों की मौत होने से भय के साथ ही सतर्कता बरतना जरूरी हो गयी है. सवाल यह है कि मौसम का बिगड़ता गणित विशेषज्ञों की समझ से परे है. जिले की धामणगांव तहसील तथा मोर्शी में बुधवार को उष्माघात से दो लोगों की मौत होने की खबर है. गर्मी की तीव्रता जिस तेजी से न केवल अमरावती जिला बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ रही है, वह निश्चित ही चौकाने के साथ ही चिंता में भी डालने वाली है. मंगरूल दस्तगीर बस स्थानक परिसर में सोए व्यक्ति की मौत हो गई. इसे उष्माघात से जोड़ा जा रहा है. प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस व्यक्ति की मौत तेज गर्मी के कारण हो सकती है.लू लगने से मृत व्यक्ति का नाम चंद्रशेखर कुडमते बताया जा रहा है. पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से भीषण गर्मी ने जनजीवन को अस्तव्यस्त किया है, वह अपने आप में गंभीर रहने के साथ ही समय रहते ही पर्यावरण संतुलन तथा मौसम बेहतरीन करने में योगदान के लिए प्रेरित भी करता है. मृतक दिघी होणाडे के निवासी थे. स्थानीय लोगों के अनुसार वे मानसिक रूप से अस्वस्थ थे. रोज़ की तरह वे रात में मंगरूल दस्तगीर बस स्थानक परिसर में सो गए थे, लेकिन सुबह वे अचेत अवस्था में पाए गए.घटना की जानकारी मिलते ही मंगरूल दस्तगीर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची. पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए धामणगांव रेलवे के ग्रामीण अस्पताल भेज दिया है.बढ़ते तापमान को देखते हुए प्राथमिक तौर पर मौत का कारण हीट स्ट्रोक माना जा रहा है, लेकिन वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा.इसके अलावा जिले की ही मोर्शी तहसील के दापोरी में भी भीषण गर्मी ने किसान राजेंद्र बाबारावजी नवघरे की जान ली. तहसील में उष्माघात से हुई पहली मौत माना जा रहा है. भीषण गर्मी में भी 28 मई को खेत में काम करते समय उनकी तबियत बिगड़ गई थी. उन्हें अमरावती के पंजाबराव देशमुख अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 29 मई को उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया. घटना के बाद ग्रामीणों और किसान संगठनों ने मृतक किसान के परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग की है. लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं और हीट स्ट्रोक से बचाव के उपाय अपर्याप्त हैं. प्रशासन ने नागरिकों से दोपहर में धूप से बचने, पर्याप्त पानी पीने और जरूरी काम होने पर ही बाहर निकलने का आग्रह स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया गया है. पिछले कुछ वर्षों के दौरान जिस तरह से मौसम में लगातार बदलाव आ रहा है और मौसम का असली रूप बदल गया है, उसके चलते आगामी समय में स्थितियां चिंता पैदा करनेवाली हैं. सरकार का पौधारोपण कार्यक्रम केवल औपचारिकता नहीं बनते हुए हर व्यक्ति को भी जीवन में 5 पेड़ लगाने और उसका संवर्धन करने की दिशा में पहल करते हुए धरती की हरियाली को मजबूत बनाने का प्रयास करना चाहिए. मौसम का बिगड़ता तंत्र गंभीर खतरे का संकेत दे रहा है, इससे हम सभी को संभलने की जरूरत है. उष्माघात से बड़ी संख्या में लोगों की मौत निश्चित ही चिंता में डालने वाली है. यह सोच का विषय है.

अभिनंदन बैंक की शानदार उपलब्धियां,५ दर्जन पुरस्कार हासिल.....

अमरावती- अभिनंदन अर्बन कॉआपरेटीव बैंक ने सहकारिता क्षेत्र में जहां अग्रणी है, वहीं एनपीए, कैपिटल तथा विश्वसनीयता के लिए भी राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर जानी जाती है. बैंक के अध्यक्ष एड. विजय बोथरा, प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग के साथ ही सभी संचालकों के समर्पण और कर्मयोगियों के प्रयासों से बैंक ने अभी तक 5 दर्जन के करीब पुरस्कार हासिल किए हैं. राज्यस्तर का पुरस्कार प्राप्त करते दोनों पदाधिकारी. विश्वसनीयता के बलबूते बैंक ने अपना स्थान हासिल किया है. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने बैंक की आर्थिक मजबूती की सराहना करते हुए इसमें निवेश करने का जाहिर आवाहन कुछ महीने पहले बैंक के कार्यक्रम में किया था.क़ई पुरस्कार बैंक की शानदार कार्यप्रणाली और विश्वसनीयता बताते हैं.

लाखों जिंदगियों की निगलती है तंबाकू, बढ़ते हैं शौकीन

31 मई को विश्व तंबाकू दिवस पर विशेष

अमरावती- व्यसन किसी भी प्रकार का क्यों नहीं हो, वह गलत ही होता है. पिछले कुछ वर्षों के दौरान जिस तरह से युवाओं में नशाखोरी की प्रवृत्ति बढ़ रही है, वह गंभीर है. जिला सामान्य अस्पताल द्वारा नशाखोरी के खिलाफ लगातार जागरूकता कार्यक्रम लिया जाता है. इतना ही नहीं तो विद्यालय तथा महाविद्यालयों में छात्रों को व्यसनों से दूर रहने के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम लिया जाता है. रविवार को विश्व तंबाकू दिवस पर जिला अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है.

अमरावती शहर के साथ ही समूचे विश्व में तंबाकू खाने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है. विशेषज्ञों ने बताया कि तंबाकू के सेवन से कैंसर, ह्रदय रोग, उच्च रक्तचाप और श्वसन संबंधी अनेक गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. इसके सेवन से मुख कैंसर की मात्रा में तेजी से इजाफा हुआ है. युवाओं को तंबाकू और अन्य नशे की लत से दूर रहने का संदेश देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया जाता है. बावजूद इसके जागरूकता के प्रयासों के बाद भी तंबाकू खाने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है.

तंबाकू खाने के दुष्परिणामों से लोगों को अवगत कराने के लिए जिला अस्पताल के अलावा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी प्रयास किया जा रहा है. वननेस मुक्तांगण संस्था के अमित बनारसे,प्रकाश पाण्डेय तथा सहयोगियों द्वारा स्कूल तथा महाविद्यालयों में कार्यक्रम लेकर जागरूक किया जा रहा है. रैलियां, शपथ ग्रहण, पोस्टर प्रदर्शन और

जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं. स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि तंबाकू छोड़ना न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि परिवार और समाज को भी सुरक्षित बनाता है.तंबाकू स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है. इससे हार्ट की बीमारी, मुंह का कैंसर सहित अन्य कई बीमारियां हो सकती हैं. स्वास्थ्य विभाग द्वारा विद्यालय तथा महाविद्यालय स्तर पर जागरूकता प्रयास किया जा रहा है. छात्रों को तंबाकू सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई जा रही है. इसका प्रतिसाद भी मिल रहा है. जिला अस्पताल में भी जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से तंबाकू से बचने की लोगों को सलाह दी जाती है. बावजूद इसके तंबाकू युवाओं के साथ ही बुजुर्गों को खोखला कर रहा है. इसमें सामाजिक सहभागिता भी जरूरी है.

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

हमारी दुग्धपूर्णा हमारी संस्कृति

गर्वनर लार्ड विलियम बेंटिंग ने ठगों का बंदोबस्त करने के लिए कैविल्यम स्लिमन नामक अधिकारी की नियुक्ति की. 1831 से 1837 इन 6 वर्षों में 3266 ठग पकडे गए, उनमें से अधिकांश को फांसी की सजा दी गई. ठगों के बंदोबस्त के लिए स्लिमन कर्नल मिरोज टेलर यह सेना का अधिकारी था. उसने ठगो, डकैतों का सूपडा साफ कर दिया. बाद में यही कर्नल मिरोज टेल 1856 से 1857 तक अमरावती में डेप्युटी कमिश्नर के पद पर रहे.

दुग्धपूर्णा

राजकमल चौक, अमरावती. फोन : २५६२६६२

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें. मानवता की सेवा तथा राष्ट्रधर्म को समर्पित तथा पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को महत्व देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मदद तथा आपके विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क

9423426199/8855019189